420

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
History	1 1 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: 2 0 4 2 3 0 9 4 7

शब्दों में: दो शून्य चार दो तीन शून्य नौ चार सात

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 1 शब्दों में एक

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 01

ग :– परीक्षा का दिनांक 13 03 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी परीक्षा 422001

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर: 13.3.2020 Sunil Renapati

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया ... के मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार ... लो क्रापट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर पृष्ठों के अनु... पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित ... पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्ष... एवं पदांकित संस्था के ...।

उप मुख्य ... निर्धारित मुद्रा | परीक्षक के ... मुद्रा

Seema Chauhan, शास. उत्कृष्ट उ.मा.वि. झाबुआ, Vasi No. 9516229, Mob. 9827012772

पी.के. पटेल, उ.मा.शि., पं.क्रं.– 9510024, मो.नं.– 8770553814, शा. उत्कृष्ट उ.मा.वि. ...

नोट :– "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हा... प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के ... 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 8... एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये ...

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
26		
27		
28		

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

(प्रश्न क्र. 1) रिक्त स्थानो की पूर्ति –

1) घुमक्कड़ी था

2) बौद्ध ग्रन्थ

सिद्धार्थ

गरित्प

5) अशोक

(प्रश्न क्र. 2) सत्य / असत्य –

1) असत्य

असत्य

सत्य

4) सत्य

5) असत्य

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

(प्रश्न क्र. 3) जोडी बनाइए -

1) कुतुबुद्दीन ऐबक — अढाई दिन का झोपडा

तहकीक- ए - हिन्द — उलबरूनी

इल्तुतमिश — चालीस गुलामों का दल

पानीपत का प्रथम युद्ध — 1526 ई.

5) बुलन्द दरवाजा — अकबर

(प्रश्न क्र. 4) का एक वाक्य उत्तर -

1) रायगढ

2) 31 दिसम्बर 1600 ई.

सूरत

फ्रान्सिस्को डी अल्मिडा

5) वास्कोडिगामा (1498)

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 5 का सही विकल्प -

1) सर सैयद अहमद खाँ

2) सुभाषचन्द्र बोस

सूरत अधिवेशन

रामकृष्ण गोपाल

5) व्योमेशचन्द्र बनर्जी

B
S
E

प्रश्न क्र. 6 का (अथवा)

→ पाषाण काल के कृषि व पशुपालन से ...ित होने के कारण उनके प्रमुख भोजन कन्द - मूल फल - फूल व मास मुख्य भोजन माना जाता है,

→ प्रश्न क्र. 7 का (उत्तर)

सिन्धु सभ्यता एक नगरिय व्यवस्था थी,
1) सिन्धु सभ्यता मे जल निकासी का
2) सिद्धांत को प्रमुख माना गया है,
सिन्धु सभ्यता मे सड़को का जाल था - सड़के उपसड़के, गलियो मे बंटा था तथा प्रकाश दिप के भी व्यवस्था थी जो रात्रि मे नगर को प्रकाशित करते

कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

श्न क्र.

प्रश्न क्र. 8 का (अथवा)

देल वंश का संस्थापक नन्नुक था

चन्देलो की राजधानी खजुराहो थी ।

प्रश्न क्र. 9 का (अथवा)

खानवा का युद्ध महम्मुद गौरी व राणा सांगा के मध्य 1527 ई. मे हुआ था इसके परिणाम स्वरूप भारत में राजपुत शक्ति को पराजित कर दिया गया था राणा सांगा की पराजय हुई ।

B
S
E

प्रश्न क्र. 10 का (उत्तर)

पुर्तगालियो के पतन के मुख्य कारण -

1) अलबुकर्क का अयोग्य उत्तराधिकारी

ल की खोज

3) मुगलो का उत्थान

4) व्यापारिक हितो हेतु अनुचित कार्य

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 11 का (उत्तर)

शेरशाह सुरी अकबर का अग्रगामी माना जाता है शेरशाह मध्य काल का महान सम्राज व विर योद्धा था इसके शासन की प्रमुख विशेषताए -

1) गुप्तचर व्यवस्था - शेरशाह के शासनकाल मे गुप्तचर विभाग पर विशेष ध्यान दिया गया था प्रत्येक सुबेदार, जागिरदारो, सैन्य संगठनो मे गुप्तचर छोडे गए थे तथा प्रति दिन प्रत्येक प्रान्त से शेरशाह सुरी को सुचना मिलती थी। सुचना न देने पर दण्डित किया जाता था गुप्तचरो को 3400 घोडे दिए गए थे।

पुलिस व्यवस्था - शासन मे पुलिस व्यवस्था नही थी ...व का मुखिया को ही इसके कार्य सोपे गए ...थे गाव मे हत्या या चोरी सम्बन्धी घटना का पता मुखिया को लगाना होता था न लगाने पर क्षतिपुर्ति करता था।

3) भुमि व्यवस्था / सिक्के का प्रचलन - भुमि की नाप करवाई उच्च मध्य निम्न तीन भागो मे बाटा कर नगद व उपज दोनो रूप मे लिए जाते थे दाम सिक्के को चलाया इसपर उसका पद नाम व टकसाल का नाम अंकित था।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

B
S
E

प्रश्न क्र. 12 का (उत्तर)

1) शान्ति व सुव्यवस्था का काल -

शाह जहा का काल शान्ति से पूर्ण था इसमे कोई विद्रोह नही हुए तथा शाहजहा कला व साहित्य प्रेमी था प्रजा के हित मे कई कार्य कराए थे तथा कला व संगीत प्रेमी था।

2) स्थापत्य कला का अपूर्व विकास -

शाहजहा का काल स्थापत्य कला मे अच्छी उन्नति हुई थी आगरा का ताज महल इसमे प्रमुख है। 1631 मे मुमताज की याद मे बनवाया गया तथा खास महल, मच्छी महल, शीश महल, दिल्ली का लाल किला व जामा मस्जिद, व मोती मस्जिद का निर्माण करवाया।

3) आर्थिक सम्पन्नता व साहित्य का विकास -

शाहजहा के काल मे युद्ध न हुए तथा धन की सम्मपन्नता पाई जाती है तथा साहित्य व कला प्रेमी था इसके काल मे बादशाहनामा, शाहजहांनामा आदि रचे गए।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 13 का (उत्तर)

1885 से 1905 तक का समय उदारवादी नेताओ का माना जाता है तथा इसके पश्चात उग्रराष्ट्रवादि नेताओ द्वारा आन्दोलनो का प्रारम्भ किया जाने लगा उग्रराष्ट्रवाद की उत्पत्ति के प्रमुख कारण इस प्रकार है -

1) योग्य नेताओ का आविर्भाव - अंग्रेजी निरंकुश नीतियो के परिणामस्वरूप भारतियो मे अंग्रेजी सेना व शासन के प्रति विद्रोह की भावना बढती गई तथा इसके दौरान योग्य नेतृत्व वाले नेताओ का आविर्भाव हुआ जैसे - लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, विपिनचन्द्र पाल आदि।

BSE

हिन्दु धर्म मे पुनः उत्थान - हिन्दुओ मे स्वाधिनता की भावना जाग उठी तथा एक स्वतंत्र भारत की कामना करने वाले फिर जवानो का उदय हुआ तथा अंग्रेजो को देश से भगाने का निश्चय लिया।

3) विदेशी घटनाए - विदेशो में अंग्रेजो द्वारा किए जाने वाले अत्याचारो के विरुद्ध होने वाले आन्दोलन तथा अंग्रेजो द्वारा विदेशी राज्यो पर कब्जा करने की बात से भारतियो को भारत की आजादी पर स्वतरतः प्रेरित हुआ,

प्रश्न क्र.

(प्रश्न क्र. 14 का अथवा)

महात्मा गांधि द्वारा 1942 मे भारत छोडो आन्दोलन अंग्रेजो से भारत को स्वाधिन्ता दिलाने हेतु चलाया गया था परन्तु यह आन्दोलन असफल हुआ इसके मुख्य कारण इस प्रकार है -

1) योजना तथा साधनो का अभाव - भारत छोडो आन्दोलन मे भारतियो द्वारा संगठन व योजना मे कमी रही तथा संचार साधनो व यातायात के अभाव के कारण यह आन्दोलन सिमित क्षेत्र तक ही सिमित रहा।

B
S
E

2) भारतिय पुलिस व सेना का सहयोग न मिलना - भारतिय सैनिक जो अंग्रेजो के अधिन कार्य कर रहे थे उनके द्वारा [illegible]त छोडो आन्दोलन मे हिन्दुओ का समर्थन नही किया गया, तथा शस्त्रो व सैनिको के अभाव [illegible] भारत छोडो आन्दोलन असफल रहा।

3) मुस्लिम जनता तथा देशिरियासतो का असहयोग -

भारत छोडो आन्दोलन के अन्दर मुस्लिम जन्ता इस आन्दोलन से दुरि बनाऐ रखी तथा देशिरियासतो ने भी भारत छोडो आन्दोलन मे रुचि न लेना ही भारत छोडो आन्दोलन की असफलता का मुख्य कारण रहा है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

→ प्रश्न क्र. 15 का (अथवा)

पुरापाषाणकाल में मानवजीवन की प्रमुख चार विशेषताए कुछ इस प्रकार है -

1) औजार — पुरापाषाण काल के मानव द्वारा हिंसक पशुओ से अपनी रक्षा करने हेतु पत्थरो तथा हड्डीयो के औजारो का निर्माण किया गया इस युग के औजार भद्दे, बेडोल, खुरदुरे होते थे।

2) अग्नि का आविष्कार — पुरापाषाण काल मे मानव अग्नि से परिचित हो चुका था इस युग में अग्नि की खोज एक महान क्रान्ति कहा सकता है।

3) भोजन — इस काल के मानव का मुख्य भोजन कन्द - मुल - फल - फुल मास आदि होती थी क्योंकि यह मानव पशुपालन व कृषि से अपरिचित था मानव एक शिकारी था, तथा घुमक्कडी जीवन बिताता था।

4) निवास स्थान — पुरापाषाण काल का मानव कृषि तथा पशुपालन से अपरिचित होने के कारण शिकारी के रूप मे बस एक घुमक्कडी जीवन बिताता था तथा शाखाओ, गुफाओ मे रहता था इस युग मे सामुहिक बस्तियो का विकास नही हुआ था।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र. 16 का (अथवा)

सिन्धु सभ्यता नगरीय सभ्यता थी तथा प्राचीन सभ्यताओ मे यह सबसे अधिक विकसित व सुव्यवस्थित मानी गई है जल निकासि का सिद्धान्त व सडको का जाल इसकी प्रमुख विशेषता थी।
सिन्धु सभ्यता के विनाश के सम्बन्ध मे कई विद्वानो ने अपने मत व विचारो को प्रस्तुत किया जैसे-

1) बाहरी आक्रमण - सिन्धुवासी शान्तिप्रिय थे इनके नगरो की कोई सुरक्षा की व्यवस्था नही की गई थी तथा इनके पास अच्छे हथियार भी नही थे विद्वानो का मानना है कि सिन्धु सभ्यता किसी बाहरी बरबर जाति आक्रमण का शिकार हुई होगी जिस्से इस पता का विनाश हुआ।

वायु परिवर्तन - सिन्धु प्रदेश मे वर्षा प्रचुर मात्रा में होती थी किन्तु कालान्तर मे सिन्धु प्रदेश मे वर्षा की दर मे कमी होती गई यह प्रदेश रेगिस्तान बन गया तथा जीवन की सुविधाओ के अभाव मे यह प्रदेश पतन हुआ।

3) बाढ - विद्वानो का मानना है कि सिन्धु तथा इसकी सहायक नदीयो में बाढ के कारण हडप्पा तथा मोहनजोदडो डूब गया इन नदियो का पानी 21 m ऊचाई तक पहुच जाता था।

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

4) भुकम्प — सिन्धु सभ्यता के विनाश के विषय मे कई विद्वान भुकम्प को आधार मानते है कि सम्भवतः किसी शक्तिशाली भुकम्प के कारण सिन्धु सभ्यता का नाश हुआ ।

प्रश्न क्र. 17 का (अथवा)

चोल कालीन प्रशासन की मुख्य विशेषता स्थानिय स्वशासन व्यवस्था थी चोल काल का सबसे प्रतापी शासक राजराज प्रथम को माना जाता है चोल प्रशासन की मुख्य विशेषताए कुछ इस प्रकार है ।

B
S
E

1) केन्द्रीय शासन व सम्राट की स्थिति — चोल काल मे शासन की समस्त शक्तिया राजा के हाथों मे केन्द्रित होती थी राजा को सहायता के लिए मन्त्रिपरिषद् नही थी । मन्त्रि परिषद् के प्रभाव मे सैनिक संरचा मे वृद्धि कर शासन को सुचारु रुप से संचालित किया जाता था ।

2) थल व नव सैना — चोल प्रशासन के अन्तर्गत राजा के पास बडी मात्रा मे गज, अश्व व पैदल सेना होती थी तथा बंगाल की खाडी पर चोलो का दबदबा था ।

de'smat

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

3) यातायात व सिंचाई व्यवस्था - चोल प्रशासन प्रान्तो मे बटा था जिन्हे मण्डलम कहा जाता है इनके नेतृत्व राजकुमार द्वारा किया जाता था चोल प्रशासन मे सड़क की उचित व्यवस्था थी सड़क के माध्यम से यातायात व व्यापार हेतु आसानी होती थी। सिंचाई कावेरी नदी के माध्यम से कि जाती थी कृषि का विकास होना सम्भव था।

4) स्थानिय स्वशासन व्यवस्था - चोल काल की यह एक प्रमुख विशेषता है इसके अन्तर्गत प्रान्तो का संचालन प्रतिनिधि मण्डल द्वारा किया जाता था तथा ग्राम मे सामान्यत: दो सभाए होती थी उर व महासभा प्रत्येक गाव मे 30 वार्ड थे तथा प्रत्येक वार्ड का एक सदस्य ग्राम सभा का भी सदस्य होता था तथा गाव के विकास हेतु कई समितिया बनाई गई थी कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आदि

इस प्रकार कहा जा सकता है की चोल प्रशासन की व्यवस्था व्यवस्थित व सुदृढ थी।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 18 का उत्तर -

शिवाजी एक योग्य व उच्च सेनापति ही नहीं वरन महान योद्धा थे तथा साम्राज्य निर्माता भी थे इनके द्वारा सेना को अनुशासित सुदृढ़ कीया गया था शिवाजी की सेना के चार प्रमुख अंग इस प्रकार है -

1) अश्वसेना - शिवाजी के पास 30-40 हजार सैनिक थे इनमे से कुछ सरकारी वेतन पर कार्य करते थे तथा कुछ किराए के होते थे जो अपनी शस्त्रो व घोडो का प्रबन्ध स्वयं करते थे इस प्रकार अश्वसेना शिवाजी की प्रमुख अंग थे ।

पैदल सेना - शिवाजी के पास एक लाख से अधिक पैदल सेना थी जिसका नायक होता था पाँच नायको पर एक हवलदार, तीन हवलदारो पर एक जमादार तथा 10 जमादारो पर एक हजारी होता था एक हजारी के उपर हजारी होते थे ।

3) हाथी व ऊट - शिवाजी के पास 1260 से अधिक हाथी थे तथा 1500 से ऊट भी थे इनका सैन्य सन्चालन विशेष था ।

4) नौसेना व तोपखाना - शिवाजी के पास एक शक्तिशाली तोपखाना था जिसमे 8 तोपे थी तथा नौसेना मे 200 जहाज होते थे शिवाजी युद्ध मे मरने वाले सैनिको का पुरा ध्यान रखते थे तथा भ्रष्टाचार पर कठोर प्रतिबन्ध था ।

B
S
F

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

→ प्रश्न क्र 19 का (अथवा)

प्लासी युद्ध 1757 मे अंग्रेजो तथा बंगाल नवाब सिराजुउद्दौला के मध्य हुआ था तथा इसके परिणाम कुछ इस प्रकार हैं.

1) बंगाल पर अंग्रेजी नियन्त्रण - प्लासी युद्ध के परिणाम स्वरूप बंगाल पर अंग्रेजी द्वारा नियन्त्रण स्थापित कर लिया गया नवाब नाम मात्र का शासक बने रहे, अंग्रेजो ने भारत विजय की बात सोचने लगे थे।

2) बंगाल की आर्थिक दुर्दशा व कम्पनी को लाभ - प्लासी युद्ध के दौरान बंगाल को आर्थिक हानि का सामना करना पडा तथा कम्पनी को धन प्राप्ती हुई तथा बंगाल की प्रजा मे निराशा छा गई,

3) कम्पनी के गौरव मे वृद्धि - प्लासी युद्ध के पश्चात विजयता के रूप मे कम्पनी ... व व शक्ति निरन्तर बढ़ती गई तथा हिन्दुओ ... स्थिति दयनीय होती रही,

4) ...रत विजय का मार्ग प्रशस्त - अंग्रेजी प्लासी युद्ध तथा बंगाल युद्ध के बाद प्लासी पर विजय करने की बात सोचने लगे थे तथा वह भारत मे कम्पनि व्यवस्था से राजनीति दल के रूप मे परिवर्तित हुए,

B
S
E

योग पूर्व पृष्ठ

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

5) बाक्सर युद्ध की आधार शिला - प्लासी युद्ध मे सिराजुउद्दौला को पराजित किया तथा उन्होने फुट डालो राज करो की नीति अपनाई प्लासी युद्ध को बाक्सर युद्ध की आधार शिला भी माना जा सकता है ।

→ प्रश्न क्र. 20 का (अथवा)

ब्रिटिश शासन द्वारा पारित किए गए 1773 रेगुलेटिंग एक्ट के दोषो को दूर करते हुए इंग्लैण्ड के प्रधानमंत्री विलियम पिट द्वारा 1784 मे एक एक्ट पारित किया गया जिसे पिट्स इण्डिया एक्ट के नाम से जाना जाता है इसकी मुख्य धाराए निम्नलिखित है .

B
S
E

1) पिट्स इण्डियन एक्ट के द्वारा एक सदस्यो की बोर्ड ऑफ कन्ट्रोल की समिति बनाई गई यह समिति कम्पनी के राजनैतिक ...ता के संचालन हेतु बनाई गई थी ।

...बोर्ड ऑफ कन्ट्रोल को सलाह देने के लिए एक तीन सदस्यो की डायरेक्टरो की गुप्त समीति बनाई गई ।

3) काउन्सिंग की सदस्य संख्या 4 से घटाकर तीन कर दी गई जिसमे एक सेना का सेनापति होता था ।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

न क्र.

4) मद्रास तथा बुम्बई के गवर्नरों को पूर्ण रूप से गवरनर जनरल के अधिन कर दिया।

5) इस एक्ट के माध्यम से गवर्नर जनरल को प्रेसिडेन्सी के गवर्नरों पर नियंत्रण, निर्देशन व निरीक्षण का अधिकार प्राप्त हो गया।

B
S
E

→ प्रश्न क्र. 21 का (अथवा)

मध्य प्रदेश मे कई प्राचीन स्मारके प्रसिद्ध है तथा कई स्मारको का निर्माण गुप्त काल के दौरान करवाया गया था म.प्र की चार प्राचीन स्मारके इस प्रकार है -

1) भूमरा का शिव मन्दिर - यह मन्दिर गुप्तकला के वास्तुकला का अनुपम नमुना है यह मन्दिर ...प प्रदेश के सतना जीले मे भूमरा नामक स्थान ... शिव मन्दिर पाया गया है यह मन्दिर ऊंचे ...चबुतरे पर बना है तथा इसके दाई और ... व बाई और यमुना की मूर्तिया उत्किर्ण की गई है।

2) तिगवा का विष्णु मन्दिर - तिगवा का विष्णु मन्दिर जबलपुर जीले के तिगवा नामक स्थान पर स्थित है तथा इसके द्वारा पर गंगा - यमुना कई कई मुर्तिया बनाई गई है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

~~पत्थर का पार्व~~

3) एरण का विष्णु मन्दिर - म.प्र के सागर जीले के एरण नामक स्थान पर विष्णु मन्दिर मिला है यह मन्दिर गुप्तकालीन था तथा इस मन्दिर के भग्नावशेष प्राप्त हुआ है यह मन्दिर वर्तमान मे ध्वस्त हो चुका है।

4) साची का मन्दिर - साची म.प्र के रायसेन जीले मे स्थित है यहा के मन्दिरो का निर्माण अशोक द्वारा करवाया गया था तथा यहा एक वर्गाकार गर्भगृह पाया जाता है इसकी छत सपाट है इसमे गुम्बज शिखर नही पाए जाते।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

क्र.

प्रश्न क्र. 22 का (अथवा)

मौर्य वंश की स्थापना चन्द्रगुप्त मौर्य द्वारा 322 ई मे की गई थी तथा इस वंश के पतन के प्रमुख कारण इस प्रकार है -

1) **अयोग्य व निर्बल उत्तराधिकारी** - मौर्य वंश की स्थापना चन्द्रगुप्त द्वारा की गई थी तथा इस काल का महान शासक अशोक माना जाती है किन्तु इसके उत्तराधि इसके समान योग्य सिद्ध नही हुए इस वंश का अन्तिम शासक वृहद्रत था जिसका पुत्र उसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग द्वारा 184 ई मे कर शुंग वंश की स्थापना की गई।

2) **केन्द्रिय शासन की निर्बलता** - अशोक द्वारा बौद्ध धर्म का अनुसरण करने के कारण प्रजा में योग्य सैनिको का अभाव था तथा केन्द्रिय शासन निर्बल होने के कारण मौर्य सम्राट दुरस्थ प्रान्तो को अपने अधिन नही रख सके।

3) **साम्राज्य की विशालता** - मौर्य साम्राज बडे विशाल रूप मे फैला हुआ था तथा साम्राज्य की विशालता के कारण अशोक के उत्तराधिकारी साम्राज्य मे दुरस्थ प्रान्तो को अपने अधिन नही रख पाए, मौर्य साम्राज्य का पतन निश्चित था।

4) दरबारी षड्यन्त्र - मौर्य वंश मे आगे चलकर केन्द्रीय निर्बलता के चलते दरबार मे राजा के विरुद्ध षड्यन्त्रो का जाल बनने लगा था तथा ऐसी षड्यन्त्र का शिकार बृहद्रथ हुआ।

5) अशोक की अहिंसात्मक नीति - मौर्य साम्राज्य के पतन का मूल कारण अशोक द्वारा बौद्ध धर्म को अपनाकर अहिंसा का मार्ग चुनना बना प्रजा हिंसा करने योग्य ज्वाला नही रही क्रोध व योग्य सैनिकों की शक्ति के अभाव के चलते बृहद्रथ का अन्त हुआ साथ ही मौर्य वंश का पतन हुआ शुंग वंश की स्थापना हुई।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

कुल अंक

-> प्रश्न क्र. 23 का (उत्तर)

997 मे सुबुक्तगीन की मृत्यु के पश्चात पुत्र ईस्माईल को शासक बनाया किन्तु उसके एक अन्य पुत्र महमूद गजनवी ने उसे पराजित कर स्वयं 998 मे गजनी का शासक 27 वर्ष की आयु मे बना। तथा 17 बार भारत पर आक्रमण किए आक्रमण का प्रमुख उद्देश्य -

1) राजनीतिक कारण - महमूद गजनवी भारत मे शासक बनने की इच्छा मनुरूप आक्रमण किया तथा जिस्से राजनीतिक अव्यवस्था उत्पन्न हुई ... वी ने सर्वप्रथम 1001 ई मे जयपाल पर ...क्रमण किया था।

2) ...र्थिक कारण - गजनवी के आक्रमण का मूल उद्देश्य धन - सम्पती की लोट करना था तथा भारत के आर्थिक स्थिति को निर्बल करना था।

3) धार्मिक कारण - गजनवी भारत मे मूर्ति पुजा विध्वंस कर इस्लाम का प्रचार करना चाहता था इसी मुल उद्देश्य से गजनवी ने भारत पर आक्रमण किया उसने सोमनाथ के मन्दिर पर 1025 मे आक्रमण किया।

4) ~~मो~~खलिफा का आदेश - गजनवी द्वारा खलिफा के आदेश को स्विकार करते हुए भारत पर आक्रमण की विजय योजना का प्रारूप त्यार किया।

5) भारत विजय - मुहम्मद गजनवी भारत मे अपने अस्तित्व को बढाना चाहता था तथा स्थाई राज्य स्थापित करना चाहता था।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 24 का (उत्तर)

मराठो के उत्थान के पाँच प्रमुख कारण निम्न इस प्रकार से है।

1) महाराष्ट्र की भौगोलिक स्थिति - महाराष्ट्र की स्थिति भारत के दक्षिण पठार मे स्थित होने के कारण पर्वतिय क्षेत्र है तथा यहा कृषि योग्य भुमी का अभाव है तथा उचे पहाडो पर आसानि से दुर्ग बनाए जा सकते है इसी कारण यहा उच्च कोटी के सैनिक का जन्म हुआ।

2) मराठो की युद्ध प्रणाली - भोगोलिक स्थिति को देखते हुए मराठो ने छापामार या गुरिल्ला प्रणाली अपनाई जिससे वे आक्रमण कर आसानि [illegible] दुर्ग मे छिप जाते थे यह मुगल सेना [illegible] जीवन दुभर हो जाता था।

3) शिवाजी का योग्य नेतृत्व - शिवाजी ने महाराष्ट्र मे महान साम्राज्य की स्थापना की थी तथा योग्य नेतृत्व के कारण मराठो मे देशभक्ति व राष्ट्रीयता का विकास हुआ।

4) औरंगजेब की नीतिया - औरंगजेब की दक्षिण नीति ~~के कारण दक्षिण~~ के मराठो मे क्रोध की आग प्रजवलित हुई तथा मराठो मे मुगलो का विरोध करने की शक्ति का विकास हुआ।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

5) धार्मिक जागरण व भाषाई एकता - शिवाजी द्वारा सशक्त केंद्रिय सत्ता की स्थापना की गई, तथा धार्मिक जागरण या पुनर्जागरण के कारण मराठा हिन्दु में भारत को स्वाधिन करने की भावना जाग उठी। मुगलो के विरुद्ध मराठो ने संघर्ष छेड दिया।

→ प्रश्न क्र. 25 का (उत्तर)

स्वामी दयानन्द सरस्वती एक महान समाज सुधारक थे तथा हिन्दु धर्म के विकास हेतु कई प्रयास दयानन्द सरस्वती द्वारा किए गए इनके बचपन का नाम मूलशंकर था।

1) आर्य समाज की स्थापना - स्वामी दयानन्द सरस्वती द्वारा हिन्दु धर्म के पुर्नउत्थान हेतु आर्य समाज के स्थापना की गई जो की धार्मिक व समाज सुधार के कार्यो का आयोजन करते थे।

2) नारी शिक्षा पर बल - आर्य समाज द्वारा भारतीय नारी को शिक्षित करने के उद्देश्य से कई योजनाओ का क्रियानवयन किया तथा समाज मे नारी स्थिति को सुधारने हेतु कई प्रयत्न किए गए।

BSE

प्रश्न क्र.

3) सती प्रथा का विरोध - दयानन्द सरस्वती द्वारा भारतीय समाज मे प्रचलित सती प्रथा का घोर विरोध किया तथा विधवा विवाह को मान्यता प्रदान की।

4) वेदो में आस्था - आर्य समाज तथा दयानन्द सरस्वती वेदो मे आस्था रखते थे तथा वेदो में कही गई सिद्धान्तो पर विश्वास करते है।

बाल विवाह का विरोध - दयानन्द सरस्वती बाल विवाह का विरोध किया है। भारतीय समाज मे प्रचलित बाल विवाह पर प्रतिबन्ध लगाए जाने का समर्थन किया।

6) जाति भेद-भाव का विरोध - आर्य समाज समाज सुधार करते हुए समाज मे फैले जाति या वर्ण व्यवस्था को बन्द करने को समर्थन किया तथा मानव की समानता मे विश्वास व्यक्त किया

B
S
E

2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
History	1 1 0	हिन्दी	

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

क्रमांक

अंकों में परीक्षार्थी का रोल नम्बर: 2 0 4 2 3 0 9 4 7

शब्दों में: शून्य चार दो तीन शून्य नौ चार सात

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा: हायर सेकेण्डरी परीक्षा 42200

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर: Chaudhary

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक

प्रश्न क्र. 26 का (अथवा)

मध्य प्रदेश मे गुप्तकालीन पाँच अभिलेख कुछ इस प्रकार है।

1) मन्दसौर अभिलेख - मन्दसौर मालवा का प्रदेश है तथा यहा इस अभिलेख मे विक्रम संवत का भी प्रयोग हुआ है प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान वात्सायभट्टी ने इस अभिलेख की रचना की है।

2) साची अभिलेख - साची से आर्य संघ के धन दान मे दिए जाने का उल्लेख मिलता है साची अभिलेख गुप्त काल का प्रमुख

B S E

पृष्ठ के अंकों का योग

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

अभिलेख माना जाता है।

3) **उदयगिरि अभिलेख** - उदयगिरि अभिलेख भी गुप्तकाल मे प्रसिद्ध अभिलेख है यह अभिलेख शंकर नामक व्यक्ती ने पार्श्वनाथ की मुर्तिया स्थापित करने के विषय मे बताया गया है।

4) **मन्दसौर** - मालवा का प्रदेश है तथा वात्सभट्टी द्वारा इस अभिलेख की रचना की गई है गुप्तकाल मे विशेष स्थान रखता है।

तुमैन अभिलेख - तुमैन अभिलेख से कुमारगुप्त के पश्चात स्कन्दगुप्त के शासक बनने के काल को बताया गया है तथा रीवा म.प्र. से भी अनेक गुप्तकालीन अभिलेखो का वर्णन हुआ है।

इस प्रकार गुप्तकाल मे अनेक अभिलेखो का निर्माण गुप्त शासको द्वारा करवाया गया